



1891-1892  
 1892-1893  
 1893-1894  
 1894-1895  
 1895-1896  
 1896-1897  
 1897-1898  
 1898-1899  
 1899-1900  
 1900-1901  
 1901-1902  
 1902-1903  
 1903-1904  
 1904-1905  
 1905-1906  
 1906-1907  
 1907-1908  
 1908-1909  
 1909-1910  
 1910-1911  
 1911-1912  
 1912-1913  
 1913-1914  
 1914-1915  
 1915-1916  
 1916-1917  
 1917-1918  
 1918-1919  
 1919-1920  
 1920-1921  
 1921-1922  
 1922-1923  
 1923-1924  
 1924-1925  
 1925-1926  
 1926-1927  
 1927-1928  
 1928-1929  
 1929-1930  
 1930-1931  
 1931-1932  
 1932-1933  
 1933-1934  
 1934-1935  
 1935-1936  
 1936-1937  
 1937-1938  
 1938-1939  
 1939-1940  
 1940-1941  
 1941-1942  
 1942-1943  
 1943-1944  
 1944-1945  
 1945-1946  
 1946-1947  
 1947-1948  
 1948-1949  
 1949-1950  
 1950-1951  
 1951-1952  
 1952-1953  
 1953-1954  
 1954-1955  
 1955-1956  
 1956-1957  
 1957-1958  
 1958-1959  
 1959-1960  
 1960-1961  
 1961-1962  
 1962-1963  
 1963-1964  
 1964-1965  
 1965-1966  
 1966-1967  
 1967-1968  
 1968-1969  
 1969-1970  
 1970-1971  
 1971-1972  
 1972-1973  
 1973-1974  
 1974-1975  
 1975-1976  
 1976-1977  
 1977-1978  
 1978-1979  
 1979-1980  
 1980-1981  
 1981-1982  
 1982-1983  
 1983-1984  
 1984-1985  
 1985-1986  
 1986-1987  
 1987-1988  
 1988-1989  
 1989-1990  
 1990-1991  
 1991-1992  
 1992-1993  
 1993-1994  
 1994-1995  
 1995-1996  
 1996-1997  
 1997-1998  
 1998-1999  
 1999-2000  
 2000-2001  
 2001-2002  
 2002-2003  
 2003-2004  
 2004-2005  
 2005-2006  
 2006-2007  
 2007-2008  
 2008-2009  
 2009-2010  
 2010-2011  
 2011-2012  
 2012-2013  
 2013-2014  
 2014-2015  
 2015-2016  
 2016-2017  
 2017-2018  
 2018-2019  
 2019-2020  
 2020-2021  
 2021-2022  
 2022-2023  
 2023-2024  
 2024-2025  
 2025-2026  
 2026-2027  
 2027-2028  
 2028-2029  
 2029-2030  
 2030-2031  
 2031-2032  
 2032-2033  
 2033-2034  
 2034-2035  
 2035-2036  
 2036-2037  
 2037-2038  
 2038-2039  
 2039-2040  
 2040-2041  
 2041-2042  
 2042-2043  
 2043-2044  
 2044-2045  
 2045-2046  
 2046-2047  
 2047-2048  
 2048-2049  
 2049-2050  
 2050-2051  
 2051-2052  
 2052-2053  
 2053-2054  
 2054-2055  
 2055-2056  
 2056-2057  
 2057-2058  
 2058-2059  
 2059-2060  
 2060-2061  
 2061-2062  
 2062-2063  
 2063-2064  
 2064-2065  
 2065-2066  
 2066-2067  
 2067-2068  
 2068-2069  
 2069-2070  
 2070-2071  
 2071-2072  
 2072-2073  
 2073-2074  
 2074-2075  
 2075-2076  
 2076-2077  
 2077-2078  
 2078-2079  
 2079-2080  
 2080-2081  
 2081-2082  
 2082-2083  
 2083-2084  
 2084-2085  
 2085-2086  
 2086-2087  
 2087-2088  
 2088-2089  
 2089-2090  
 2090-2091  
 2091-2092  
 2092-2093  
 2093-2094  
 2094-2095  
 2095-2096  
 2096-2097  
 2097-2098  
 2098-2099  
 2099-2100  
 2100-2101  
 2101-2102  
 2102-2103  
 2103-2104  
 2104-2105  
 2105-2106  
 2106-2107  
 2107-2108  
 2108-2109  
 2109-2110  
 2110-2111  
 2111-2112  
 2112-2113  
 2113-2114  
 2114-2115  
 2115-2116  
 2116-2117  
 2117-2118  
 2118-2119  
 2119-2120  
 2120-2121  
 2121-2122  
 2122-2123  
 2123-2124  
 2124-2125  
 2125-2126  
 2126-2127  
 2127-2128  
 2128-2129  
 2129-2130  
 2130-2131  
 2131-2132  
 2132-2133  
 2133-2134  
 2134-2135  
 2135-2136  
 2136-2137  
 2137-2138  
 2138-2139  
 2139-2140  
 2140-2141  
 2141-2142  
 2142-2143  
 2143-2144  
 2144-2145  
 2145-2146  
 2146-2147  
 2147-2148  
 2148-2149  
 2149-2150  
 2150-2151  
 2151-2152  
 2152-2153  
 2153-2154  
 2154-2155  
 2155-2156  
 2156-2157  
 2157-2158  
 2158-2159  
 2159-2160  
 2160-2161  
 2161-2162  
 2162-2163  
 2163-2164  
 2164-2165  
 2165-2166  
 2166-2167  
 2167-2168  
 2168-2169  
 2169-2170  
 2170-2171  
 2171-2172  
 2172-2173  
 2173-2174  
 2174-2175  
 2175-2176  
 2176-2177  
 2177-2178  
 2178-2179  
 2179-2180  
 2180-2181  
 2181-2182  
 2182-2183  
 218

m-v. ...

Ver. Enzählung möglich

০৫৬৭৭ H H Mamedov

বিজ্ঞ অংশ প্রোগ্রামোহাম্মদ আবু ইউছুফ লুৎফুন কবিরের বিকট শব্দ বিশ্লেষণ করিয়া চাহার বিজ্ঞ অংশ

*Dr. J. J. J. J. J.*

পরিশিষ্ট সম্বন্ধি হইতে উৎকল কবির সাহেব বিঃসৃত বান হয়েন। এতাবস্থায় প্রোঃ কল্লন

W. W. W.

কবির যাবু ইউছুফ নুংদুন কবির ও ওয়াগুদুন কবির সাহেব উৎসমসম্মতিতে নিম্ন নিম্ন মংসে মানিক

m-2 *[Signature]* <sup>सह उपा</sup>

সুচরিত ও ভোগ সম্বন্ধকার নিয়ুত থাকাবশ্যায় বিগত এস,এ, এবং মার,এস, রেকর্ড মালত হইজে পর

৫০০। নতুন কল্যাণ  
১১২০

কবিগোত্র

উঃ ১, এ, রেকর্ডের উঃ মোহাম্মদ আবু ইউছুফ নুঃফুল কবিরের ॥ ০ (ঘাট) বানা বংশ মোঃ ফজলুল

7-186

করিমের । \* (চার) সানা এবং ওয়াগুদুন কবিরের । \* (চার) সানা এইভাবে সানা সানা মংগ রেওর্ড

ভূতবাহু ও আত্ম। এমতাবস্থায় উপরোক্ত ক্ষয়ন কবির আবু ইউছুফ নুৎফুন কবির ও ওয়ায়াদুন কবির

উপরে লিখিত সঙ্গতি বাদিতে বিদ্য বিদ্য বং মাসিক মুদ্রাবান ও তেল দখল বিদ্যমান থাকবে -

প্রোঃ ক্ষয়ন্তন কবির সাহেব এক শ্রী চিন্তন পুত্র চার কন্যা চংচাঙ্গা বিত্তভোগী ত্যাগিধান বিদ্যমান -

রাখিয়া পরনোক গমন করেন। উক্ত ওয়ায়দুদ কবির সাথে বচসার নিম্ন অংশ ১ স্রোত খানা বিগত

ইং ২৮-৫-৮০ এবং ৩০-৫-৮০ তারিখে রেজিষ্টারীকৃত যথাশ্রমে ৩৪২৯ এবং ৩৪৩৭ নং দপ্তর বসে

চাহার বিভাগ ১ সোন ঘানা মোঃ ক্ষয়ন কবিরের খুঁজ হাবিবুল কবিরের বিকট সাহা বিশেষ করত:

নিঃসৃত্ত্বান হইলেন। উল্লেখিত ষাট ইউরুফ স্তম্ভকন কবির সাহেব চার প্রহ, দুই কন্যা ও এক স্ত্রী ওয়ারি

মান বিদ্যমান রাখিয়া পরলোক গমন করেন। তৎপর জাব ইউজফ লংকন কবিরের পুত্র বরফা কবির

এক শ্রী এক পুত্র ও এক কন্যা ও মাটা ওয়ারিষ বিদ্যমান রাখিয়া পরস্পর গমন করেন। এমতাবস্থায়

স্বাধীনতা সত্ত্বেও মনোনিবেশিত থাকুন।

মানিক প্রদত্ত ৩ ভাগ দখলকার বিদ্যমান আছে।

বর্তমানে অসামান্য মাত্রা দগ্ধ দাঙাশেখের বিস্তৃত বিস্তৃত ব্যক্তিগত বৈধ প্রয়োজনে বঙ্গ টাকার

বিশেষ আবশ্যক হওয়ায় বিদ্যুৎ চপড়িনের লিখিত সত্মতি দাখ বিএময় করা তির উল্লবৈধ করা গরন

করিবার একে আমাদের আর অন্য কোন উপায় নাই এমতাবস্থায় বিধি চণ্ডিপুরের সত্বেই আমরা বিদ্রোহ

এর ঘোষণা দিলে সাংঘর্ষিক উত্তর সঙ্গতি বহির্ভূত হইতে ইচ্ছা করত হওয়ায় সাংঘর্ষিক দল দুইটি গঠিত হইয়া সঙ্গতির